आज का आनंद 17-1-2022

मंत्रालय सहकारिता आंदोलन को बढ़ावा देगा

वैम्निकॉम के 55 वें स्थापना दिवस समारोह में सहकारिता सचिव डी. के. सिंह ने कहा

पुणे विद्यापीठ, 16 जनवरी (आ.प्र.)

सहकारिता क्षेत्र को नई दिशा देने के उद्देश्य से ही केंद्र सरकार द्वारा सहकारिता मंत्रालय स्थापित किया गया है, इससे सहकारिता आंदोलन को बढ़ावा मिलेगा. वर्तमान समय में सहकारिता क्षेत्र की भूमिका महत्वपूर्ण है. इसीलिए वैम्निकॉम जैसी संस्थाओं द्वारा सहकारिता क्षेत्र को विकसित करने हेतु उचित शिक्षा, प्रशिक्षण व लोकतांत्रिक सिद्धांतों के जतन की जरूरत है, यह राय मिनिस्ट्री ऑफ को-ऑपरेशन के सेक्रेटरी डी. के. सिंह ने व्यक्त की.

देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है. वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकार प्रबंधन संस्थान (वैम्निकॉम) का 55 वां स्थापना दिवस शनिवार (15 जनवरी) को उत्साह के साथ मनाया गया. वैम्निकॉम के सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में ऑनलाइन तरीके से केंद्र सरकार के मिनिस्ट्री ऑफ को-ऑपरेशन के सेक्रेटरी डी. के. सिंह मुख्य रुप से शामिल हुए थे.

मिनिस्ट्री ऑफ को-ऑपरेशन के एडिशनल सेक्रेटरी विजय कुमार, ऑस्ट्रेलिया के विएना स्थित सेंट्रल यूरोपियन यूनिर्विसिटी की अध्यक्षा व रेक्टर शालिनी रांधेरिया आदि भी इस कार्यक्रम में ऑनलाइन शामिल हुए.

वैम्निकॉम में आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम में उपस्थित स्टाफ.

वैम्निकॉम की डायरेक्टर डॉ. हेमा यादव के हाथों दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई. सहकारिता शिक्षा व प्रशिक्षण में वैम्निकॉम ने अब तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, यह राय उन्होंने व्यक्त की. डॉ. वाई. एस. पाटिल ने वैम्निकॉम के अब तक के सफर की जानकारी प्रेजेंटेशन द्वारा दी.

मिनिस्ट्री ऑफ को-ऑपरेशन के एडिशनल सेक्रेटरी विजय कुमार ने कहा कि सहकारिता क्षेत्र का देश के 90 % क्षेत्र पर कब्जा है. सहकारिता क्षेत्र को और मजबूत बनाने पर केंद्र सरकार ने ध्यान दिया है. किसानों से आम नागरिकों तक सभी क्षेत्र के लोगों के जीवन-स्तर में सुधार लाने की क्षमता सहकारिता क्षेत्र में है.

डॉ. शालिनी रांधेरिया ने कहा कि देश के सहकारिता क्षेत्र को दिशा देने का कार्य वैकुंठभाई मेहता ने किया है. उनकी योजनाओं का उपयोग देश के विकास के लिए निश्चित रुप से हुआ है.